पी ए यू, लुधियाना ने तैयार की गेहूं की 2 नई किस्में पी बी डब्लयू 887, पी बी डब्लयू 927

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी ए यू), लुधियाना ने गेहूं की 2 नई किस्में विकसित की हैं — पी बी डब्लयू 887 और पी बी डब्लयू 927। पी बी डब्ल्यू 887 समय पर पर बुवाई के लिए सिंचाई वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है।

इसकी औसत उपज 24.6 क्विंटल प्रति प्रति एकड़ है। 2024-25 और 2025-26 में किए गए परीक्षणों के दौरान, पी बी डब्ल्यू 887 ने अन्य प्रचलित किस्मों जैसे पी बी डब्ल्यू 872 से 1.4%, पी बी डब्ल्यू 826 से 3.8% और डी बी डब्ल्यू 222 से 12.5% अधिक उपज दी।

इसके दाने मोटे और आकर्षक हैं, जिनका वजन अच्छा होता है और समग्र गुणवत्ता भी उत्तम है। इसके 1,000 दानों का औसत वज़न 44 ग्राम है।

यह किस्म भूरा रतुआ, पील रतुआ और करनाल बंट रोगों की मध्यम प्रतिरोधी है। पी बी डब्ल्यू 887 में जिंक व लौह की मात्रा क्रमशः 40 पी पी एम है और इसमें 12% प्रोटीन है।

पी बी डब्ल्यू 887 की बालियां 105 दिनों में निकलती हैं और यह 155 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इसके पौधे की औसत ऊंचाई 102 सेंटीमीटर है। मज़बूत तना होने के कारण इसमें फ़सल के गिरने (लॉजिंग) का खतरा बहुत कम है।

दूसरी नई किस्म पी बी डब्ल्यू 927, बारिश पर निर्भर और सीमित सिंचाई वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। पी बी डब्ल्यू का दाना दिखने में अच्छा है और इसका हेक्टोलिटर वज़न 76.5 किलोग्राम है।

यह किस्म पीला रतुआ और भूरा रतुआ रोगों की प्रतिरोधी है। सीमित सिंचाई की स्थिति में इसकी औसत उपज 18.5 क्विंटल प्रति एकड़ है, जबकि वर्षा-आधारित परिस्थितियों में यह 17.5 क्विंटल प्रति एकड़ उपज देती है।

परीक्षणों में, सीमित सिंचाई वाली स्थितियों में पी बी डब्ल्यू 927 नें दूसरी किस्मों पी बी डब्ल्यू 644 से 14.5% और पी बी डब्ल्यू 660 से 12.4% अधिक उपज दी।

परीक्षणों में, बारिश पर निर्भर खेती की स्थितियों में, इसने पी बी डब्ल्यू 644 की तुलना में 12.3% और पी बी डब्ल्यू 660 की तुलना में 5.5% ज़्यादा पैदावार दी।